RBI की D-SIB सूची: बड़े बैंक, अतिरिक्त पूंजी और प्रणालीगत जोखिम

प्रकाशन: 24 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 23 नवंबर 2026

प्रिलिम्स तथा मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com।

खबरों में क्यों

23 नवंबर 2026 को भारतीय रिजर्व बैंक ने घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों (D-SIBs) की 2026 सूची जारी की। भारतीय स्टेट बैंक, HDFC बैंक और ICICI बैंक पिछली सूची वाली श्रेणियों में बने हुए हैं। मूल्यांकन 31 मार्च 2026 के बैंक-आँकड़ों पर आधारित है। सूची जारी होने की तारीख और मूल्यांकन के आँकड़ों की तारीख अलग हैं।

प्रणालीगत महत्व का अर्थ

प्रणालीगत जोखिम ऐसा जोखिम है जिसका प्रभाव किसी एक संस्था तक सीमित न रहकर वित्तीय व्यवस्था में फैल सकता है। D-SIB पदनाम बैंक के वित्तीय तंत्र में महत्व को दर्शाता है। इसे सबसे अधिक लाभदायक बैंक, सबसे बड़ा जमा-ब्याज देने वाला बैंक या कभी विफल न होने की गारंटी नहीं मानना चाहिए। उद्देश्य उसके महत्व के अनुरूप अतिरिक्त पूंजी सुरक्षा रखना है।

2026 की श्रेणियाँ और दरें

SBI बकेट 4 में है और उसके लिए अतिरिक्त Common Equity Tier 1 (CET1) आवश्यकता जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की 0.80 प्रतिशत है। HDFC बैंक बकेट 2 में 0.40 प्रतिशत और ICICI बैंक बकेट 1 में 0.20 प्रतिशत पर है। बकेट 3 और 5 में कोई बैंक नहीं है; उनकी निर्धारित दरें क्रमशः 0.60 और 1 प्रतिशत हैं। दरें 2025 वाली श्रेणी-संरचना से नहीं बदली हैं।

CET1, RWA और पूंजी संरक्षण बफर

CET1 उच्च गुणवत्ता वाली मूल इक्विटी पूंजी का नियामकीय वर्ग है, जो नुकसान सहने की क्षमता का हिस्सा है। जोखिम-भारित परिसंपत्ति (RWA) में परिसंपत्तियों को उनके जोखिम के अनुरूप भार देकर पूंजी आवश्यकता का आधार बनाया जाता है। इसलिए 0.80 प्रतिशत को SBI की कुल जमाओं का 0.80 प्रतिशत नहीं पढ़ना चाहिए। RBI के अनुसार D-SIB की अतिरिक्त CET1 आवश्यकता पूंजी संरक्षण बफर के ऊपर है, उसकी जगह नहीं।

बकेट और समय-क्रम

RBI का D-SIB ढाँचा 22 जुलाई 2014 को जारी हुआ और 28 दिसंबर 2023 को अद्यतन किया गया। नामों का खुलासा 2015 से किया जाता है। SBI को 2015, ICICI को 2016 और HDFC बैंक को 2017 में D-SIB के रूप में पहचाना गया। बैंक को उसके Systemic Importance Score के अनुरूप बकेट में रखा जाता है। ऊँचे बकेट का अर्थ अधिक अतिरिक्त सामान्य इक्विटी आवश्यकता है।

मुख्य परीक्षा का नीतिगत प्रश्न

अतिरिक्त पूंजी बैंक की नुकसान सहने की क्षमता बढ़ाती है और व्यापक वित्तीय स्थिरता में योगदान कर सकती है। लेकिन पूंजी अकेले अच्छे शासन, तरलता प्रबंधन और प्रभावी निगरानी का विकल्प नहीं है। बड़े बैंक की समस्या का प्रभाव भुगतान और ऋण प्रवाह पर पड़ सकता है; इसलिए आकार के साथ उपयुक्त सावधानी महत्वपूर्ण है। इसे किसी खास बैंक के संकट में होने की घोषणा न बनाएं।

आगे की राह

नीति में पूंजी, जोखिम प्रबंधन, सुशासन और संकट-तैयारी को साथ देखना चाहिए। परीक्षा में बैंक-बकेट-दर का सही मिलान करें तथा CET1 दर का आधार RWA लिखें। उपभोक्ता के लिए D-SIB सूची निवेश-सिफारिश या असीमित सरकारी जमा-गारंटी नहीं है।

प्रिलिम्स अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. D-SIB सूची के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: 2026 में SBI की अतिरिक्त CET1 आवश्यकता जोखिम-भारित परिसंपत्तियों की 0.80 प्रतिशत है।

कथन 2: D-SIB की अतिरिक्त CET1 आवश्यकता पूंजी संरक्षण बफर की जगह लागू होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a).

कथन 1 सही है। SBI बकेट 4 में है और दर RWA की 0.80 प्रतिशत है। कथन 2 गलत है। RBI ने यह आवश्यकता पूंजी संरक्षण बफर के अतिरिक्त बताई है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों के लिए अतिरिक्त पूंजी क्यों आवश्यक है? उसकी सीमाओं सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्द, 10 अंक)

भूमिका में

D-SIB और वित्तीय तंत्र में फैलने वाले जोखिम को परिभाषित करें।

मुख्य भाग में

नुकसान सहने की क्षमता, भुगतान और ऋण प्रवाह की सुरक्षा समझाएं; पूंजी के साथ सुशासन, तरलता और निगरानी जरूरी बताएं।

निष्कर्ष में

महत्व के अनुपात में सावधानी, बिना विफलता-रहित होने की गारंटी मानें।

स्रोत

- https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_PressReleaseDisplay.aspx?prid=64025

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ क्या D-SIB का अर्थ बैंक कभी विफल नहीं हो सकता है?

नहीं। यह प्रणालीगत महत्व और अतिरिक्त नियामकीय पूंजी से जुड़ा पदनाम है।

▼ क्या दरों का आधार कुल जमा है?

नहीं। सूची में अतिरिक्त CET1 दर जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में है।

▼ क्या 2026 में बकेट बदले हैं?

नहीं। तीनों बैंक 2025 वाली श्रेणी-संरचना में बने हुए हैं।

pcsmantra.com